**भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल;**

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का आठवाँ अभिविन्याज  कार्यक्रम आज दिनांक २७ अगस्त २०२४, को मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल परिसर के सिविल सभागार संपन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि  तकनीकि शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार जी थे , एवं  सम्मानीय अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त सिविल सेवक श्री के.वी.एस. राव जी ,मैनिट के निदेशक श्री के.के.शुक्ल जी,  एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर भेल श्री एस.एम. रामनाथन जी , डायरेक्टर श्री सत्य साईं कॉलेज फॉर वुमेन डॉ. प्रतिभा सिंह जी उपस्थित रहे, तथा कार्यक्रम की  अध्यक्षता आईआईटी भोपाल  डायरेक्टर डॉ. आशुतोष सिंह जी ने की।

सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम को आरम्भ किया गया तत्पश्चात सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसके बाद डॉ.शैलेंद्र जैन सर ने प्रत्येक छात्र को बधाई दी और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के कॉलेज में उनका स्वागत किया और प्रत्येक छात्र से अपनी पढ़ाई का आनंद लेने के लिए कहा ताकि वे देश के समग्र विकास में अपना योगदान दे सकें ।

सेवानिवृत्त सिविल सर्वेंट श्री  के.वी.एस. राव जी ने छात्रो को अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने समझाया कि ,शारीरिक स्वास्थ्य का अर्थ सही मायनो में केवल निरोग रहना नहीं, लेकिन ऊर्जा से भरपूर रहना भी है, जिससे छात्रों की कार्यकुशलता में सुधार हो सके । उन्होंने कहा कि ``मानसिक शांति बनाए रखने के लिए पर्याप्त नींद लेने की आवश्यकता है , जिससे वे अपनी दैनिक जीवनशैली में तनाव और चिंता के स्तर को नियंत्रित कर सकें ।

तत्पश्चात डॉ. प्रतिभा सिंह ने कॉलेज के साथ सफलतापूर्वक सहयोग करने के लिए कॉलेज अधिकारियों को धन्यवाद दिया और उन्होंने छात्राओं को आश्वासन दिया कि वे यह सुनिश्चित करेंगी कि उन्हें अपने कॉलेज के छात्रावासों में किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा । उन्होंने प्रत्येक छात्र के कौशल विकास, नए नवाचारों एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा पर भी जोर दिया ताकि हम आत्मनिर्भर भारत के स्ववप्न पूर्ति के लिए आगे बढ़ सके ।

तत्पश्चात भेल जी.ऍम. श्री आशीष औरंगाबाद ने छात्रों को सतत विकास, डिजिटल सुरक्षा, आईओटी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स जैसे नए नवाचारों पर ध्यान देने के लिए कहा उन्होंने छात्रों से भावनात्मक रूप से मजबूत होने और अपने परिवेश में नए बदलावों को अपनाने और उत्साह के साथ यात्रा शुरू करने के लिए कहा।

इसके बाद डॉ. आशुतोष सिंह ने पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने नवागंतुकों के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने में मदद करने वाले सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों का स्वागत किया और दुनिया की दूसरी सबसे कठिन परीक्षा ,आईआईटी जेईई देने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने अपने अपने दृण इरादों को व्यक्त किया कि एक बार दाखिला लेने के बाद छात्रों का स्नातक अच्छे प्लेसमेंट के साथ ही पूर्ण होगा और उसके लिए उन्होंने छात्रों को संस्थान में शैक्षणिक तंत्र का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि संस्थान की टीम कॉलेज के भौतिक बुनियादी ढांचे के लिए गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि संस्थान पिछले साल 85 एलपीए के उच्चतम प्लेसमेंट के साथ था और अंत में उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में सफल होने के बाद समाज की उन्नति में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए !

इसके बाद तकनीकि शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार जी राजा भोज की भूमि ,भोपाल पर छात्रों का स्वागत किया । उन्होंने प्रत्येक छात्र को देश की भलाई के लिए कुछ करके अपने करियर को सार्थक बनाने के लिए प्रेरित किया एवं पूर्वकाल के प्रचलित गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के महत्त्व की सरहाना की। इसके पश्चात उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया की जिस तरीके से हमारे पूर्वजो ने हमको सभी सुख सुविधा देकर नवाजा है वैसे ही हमे अपने जीवन को सार्थक बनाकर देश की प्रगति में अपना सर्वोच्च समर्पण दे सके तथाअपने पूर्वजो का ऋण अदा कर सके और जिस भी जगह पर जाये वहां के लोगो के लिए उपयोगी साबित हो ! और अंत में उन्होंने आश्वासन दिया कि कॉलेज को जल्द ही अपना स्थायी परिसर मिल जाएगा। एवं उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

तथा अभिविन्याज  प्रोग्राम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिसमें नृत्य, संगीत, नाटक, और लोक कला शामिल थे।